पाठ 8: विश्वास रखना

क. **परमेश्वर में विश्वास क्यों आवश्यक है—उद्धार और परमेश्वर के साथ आपके संबंध में वृद्धि के लिए**

1. इब्रानियों 11:1-3, 6 इब्रानियों की पुस्तक का लेखक हमें विश्वास के महत्व के बारे में क्या बताता है?
2. प्रेरित पौलुस के अनुसार, हम पाप की शक्ति और दंड से कैसे बचाए जाते हैं? रोमियों 5:1-2
3. यूहन्ना 3:16 यीशु को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में मानना विश्वास का कार्य क्यों है? (यह भी देखें यूहन्ना 20:24-29)

ख. **परमेश्वर के साथ अपनी यात्रा की शुरुआत करना**

1. प्रेरित पौलुस ने विश्वास के बारे में कौन-सा सुसमाचार साझा किया? रोमियों 12:3, इफिसियों 2:8 आदि।
2. इन प्रेरित गवाहियों के प्रकाश में, एक व्यक्ति को परमेश्वर के साथ अपनी यात्रा की शुरुआत कैसे करनी चाहिए? मत्ती 7:7 (दान या जागरूकता के लिए?)
3. आपने पहली बार कब महसूस किया कि आप परमेश्वर में विश्वास करना सीख रहे हैं?
4. मरकुस 9:20-27 में दर्ज घटना से हम क्या सीख सकते हैं कि हमारा परमेश्वर में विश्वास कैसे मजबूत हो सकता है?
5. एक ऐसा समय साझा करें जब परमेश्वर के वचन पर भरोसा करने से आपका विश्वास, आपकी भावनाओं के बजाय, अधिक मजबूत हुआ।

ग. **विश्वास के बारे में यीशु की शिक्षा**

1. जिन्होंने परमेश्वर में विश्वास करना चुना, उनके लिए यीशु ने कौन-सी अद्भुत प्रतिज्ञाएँ दीं? लूका 17:6, मत्ती 17:20 (यहाँ यीशु क्या कह रहा है?)
2. यीशु के जीवन की कौन-सी कहानियाँ परमेश्वर में विश्वास के महत्व को दर्शाती हैं? मरकुस 4:35-41, मत्ती 15:21-28, लूका 7:1-10, लूका 7:36-50 आदि।

ग. **विश्वास के स्त्री-पुरुषों के उदाहरण**

1. इब्रानियों 11:4-7, 8-11, 13-16, 17-22, 23-29, 30-40 पवित्र आत्मा ने इब्रानियों की पुस्तक के लेखक को इन सभी विश्वास के स्त्री-पुरुषों के उदाहरणों को सूचीबद्ध करने के लिए क्यों प्रेरित किया? (रोमियों 15:4)
2. इन विश्वास के स्त्री-पुरुषों में से कौन-सा उदाहरण आपको सबसे अधिक प्रभावित करता है?
3. आपके जीवन के इस समय में परमेश्वर आपको कहाँ विश्वास में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहा है?
4. यीशु के विश्वास को दृढ़ता से थामे रखना
5. यूहन्ना पृथ्वी के इतिहास के अंतिम दिनों में परमेश्वर के विश्वासयोग्य लोगों का वर्णन कैसे करता है? प्रकाशितवाक्य 14:12
6. यहाँ प्रेरित यूहन्ना परमेश्वर की किन आज्ञाओं का उल्लेख कर रहा है?
7. "यीशु के विश्वास को बनाए रखना" का क्या अर्थ है? यहूदा 3-4, मत्ती 28:18-19, प्रेरितों के काम 20:27-30
8. हम कैसे पहचान सकते हैं कि कौन लोग हमें यीशु के विश्वास से दूर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं? मत्ती 7:15-23, 2 तीमुथियुस 2:15, यूहन्ना 16:13 आदि।
9. "यीशु के विश्वास को बनाए रखना" कैसे संभव है?